SHRI PRASANNA ACHARYA (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI C. M. RAMESH (Andhra Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI Y. S. CHOWDARY (Andhra Pradesh): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Whoever wishes to associate may send their names.

They would be included here. Now, Shri Rakesh Sinha.

Plight of teachers in Rashtriya Sanskrit Sansthan

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित) : सभापति महोदय, हम भाषाओं के विकास की बात करते हैं और हम संस्कृत भाषा की उपयोगिता समझते हैं। पूरे देश में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13 परिसर हैं। इनमें करीब 15,000 छात्र पढ़ते हैं और सिर्फ 120 स्थायी शिक्षक हैं। 240 ऐसे शिक्षक हैं, जिनमें से 29 महिला शिक्षिकाएं हैं, जो 6 वर्षों से लेकर 15 वर्षों से वहां पर contract basis पर पढ़ा रहे हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि इन शिक्षकों को स्थायी किया जाए। यह संस्कृत भाषा के विकास के लिए आवश्यक है और जो राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान हैं, उसको एक विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए। हम अन्य भाषाओं के लिए तो विश्वविद्यालय खोल रहे हैं, लेकिन जिस भाषा की उपयोगिता इस देश की संस्कृति और सभ्यता के संवर्द्धन में है, जो भाषा आज कम्प्यूटर की सर्वोत्तम भाषा और वैज्ञानिक भाषा समझी जा रही है, उसके प्रति यह उपेक्षा का भाव ठीक नहीं है। मेरा निवेदन है कि वहां 240 शिक्षकों की अविलम्ब स्थायी नियुक्ति की जाए। जहां 15,000 छात्रों पर सिर्फ 120 शिक्षक स्थायी हों, यह एक दुर्भाग्य की स्थिति है।

Compensation to farmers for land acquisition

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि देश के किसानों की जो भूमि अधिगृहीत की जा रही है, उसमें 2013 का जो भूमि अधिग्रहण अधिनियम है, यह जो कानून बना है, उसकी पूरी तरीके से अनदेखी की जा रही है। आबादी के लिहाज़ से पूरे देश का सबसे बड़ा प्रदेश उत्तर प्रदेश है। पूरे उत्तर प्रदेश में एक भय का माहौल है, खास तौर से किसानों में, क्योंकि उत्तर प्रदेश की सरकार ने एक आदेश दिया है कि पहले रोको, डराओ और अगर नहीं मानें, तो उनको ठोक दो।

श्री सभापति: आप विषय पर ही अपनी बात कहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर: महोदय, मैं विषय पर ही आ रहा हूं। ...**(व्यवधान)**...